

Padma Shri



SHRI P. SUBRAMANIAN (POSTHUMOUS)

Shri P. Subramanian was the Founder Promoter of Shanthi Gears Limited, a leading Gear Manufacturer located in Coimbatore, Tamilnadu. He is fondly remembered as the “Gear-man of Coimbatore” for developing this industry from scratch to a successful gear company, recognised worldwide. Despite his illustrious work in the industry and social service sector, he shunned publicity and always maintained a low profile.

2. Born on 11th November, 1942 in an agricultural family, Shri Subramanian was a first-generation industrialist. He completed his Diploma in LME in Mechanical Engineering in 1963 and a Post Diploma in Production Engineering in 1966, at PSG Polytechnic, Coimbatore and worked as a teaching staff at the same institute. His spirit of entrepreneurship and technical acumen drove him to set up his own enterprise in gear manufacturing in 1968 in a small rented shed without any capital and in 1969, Shanthi Engineering & Trading Co. was established.

3. In the early stages of the company, Shri Subramanian, being a technocrat, designed & built a Gear hobbing machine all by himself to meet his manufacturing expectations. In the year 1972, Shanthi Gear Products Private Limited was incorporated and the Company mainly focussed on textile gears. Later on during 1980-81, other products like Worm & Helical Reduction gear boxes were also introduced. As the company grew, in the year 1986, it was converted into a Public Limited Company and was listed in the Indian Stock Exchanges. The product range grew and Geared motors, Customised Industrial Gears & Gear boxes were also manufactured. State-of-the-art machineries were imported to deliver the highest quality products to the clients. The company also obtained ISO 9001 & AS9100C certification. This along with prompt delivery and after sales service made Shanthi Gears a reliable player in the Gear Industry across the world. Under the leadership of Shri P. Subramanian, the customer base grew to include a wide range of industries such as Aerospace, Steel, Defence, Windmills, Power, Railways, Cement, Textiles, Sugars and OEMs. His continued passion, hard-work and dedication, saw to the steady development of the company making it a leader in its market.

4. Coming from a poor economic background, Shri Subramanian always believed in giving back to the society. From the early 1980's, he supported the education of under privileged children in Government schools, built classrooms and provided scholarships. From 1987, he also focused on rural development by clearing & widening roads, laying new roads, constructing bridges, etc. Later on, he founded Shanthi Social Services, a Registered Public Charitable Trust in the year 1996, to commemorate the memory of his beloved wife Smt. Shanthi, in the best and befitting manner by providing education, rural development, medical care, food, help & assistance to the needy poor and deserving public without any distinction to caste, creed, race or religion.

5. In 2012, as Shri Subramanian turned 70, he decided to retire from the corporate world and shifted his complete focus towards the development of the Trust. The major sale proceeds received from the sale of Shanthi Gears Limited, was transferred to the Trust to provide quality services at subsidized prices in various social spheres. Around 25,000 people, on a daily basis, are directly availing services from the Trust in various fields like Education, Medical, Pharmacy, Optical, Petrol Bunk and Canteen.

6. Shri Subramanian passed away on 11th December, 2020.



श्री पी. सुब्रह्मण्यन् (मरणोपरांत)

श्री पी. सुब्रह्मण्यन् तमिलनाडु के कोयंबटूर में स्थित एक अग्रणी गियर निर्माता शांति गियर्स लिमिटेड के संस्थापक प्रमोटर थे। दुनिया भर में प्रसिद्ध एक सफल गियर कंपनी को बिल्कुल मामूली से स्तर से उठाकर एक उद्योग में बदलने के कारण उन्हें 'गियर-मैन ऑफ कोयंबटूर' के रूप में प्यार से याद किया जाता है। उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र में अपने शानदार काम के बावजूद, वह प्रचार से दूर रहे और किसी लोकप्रियता की इच्छा किए बिना कार्य करते रहे।

2. 11 नवंबर, 1942 को एक किसान परिवार में जन्मे श्री सुब्रह्मण्यन् पहली पीढ़ी के उद्योगपति थे। उन्होंने 1963 में एलएमई से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा और 1966 में पीएसजी पॉलिटेक्निक, कोयंबटूर से प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में पोस्ट डिप्लोमा किया और इसी संस्थान में अध्यापन कार्य करने लगे। उद्यमिता और तकनीकी कौशल की उनकी भावना ने उन्हें बिना किसी पूंजी के एक छोटे से किराए के शेड में 1968 में गियर निर्माण का अपना उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया और उन्होंने 1969 में शांति इंजीनियरिंग एंड ट्रेडिंग कंपनी की स्थापना की गई।

3. कंपनी के शुरुआती दौर में, श्री सुब्रह्मण्यन्, एक टेक्नोक्रेट होने के नाते, अपनी निर्माण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने आप एक गियर हॉबिंग मशीन डिजाइन की और उसे बनाया। वर्ष 1972 में शांति गियर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का विलय करके कंपनी ने मुख्य रूप से टेक्सटाइल गियर्स पर ध्यान दिया। बाद में 1980-81 के दौरान, वर्म और हेलिकल रिडक्शन गियर बॉक्स जैसे अन्य उत्पाद भी पेश किए। जैसे-जैसे कंपनी आगे बढ़ी, वर्ष 1986 में इसे पब्लिक लिमिटेड कंपनी में बदल दिया गया और इसे भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध किया गया। उत्पाद रेंज बढ़ी और गियर मोटर्स, कस्टमाइज्ड इंडस्ट्रियल गियर्स और गियर बॉक्स भी निर्मित किए जाने लगे। ग्राहकों को उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले उत्पाद देने के लिए अत्याधुनिक मशीनों का आयात किया गया। कंपनी ने आईएसओ 9001 और एस9100सी प्रमाणन भी प्राप्त किया। त्वरित वितरण और बिक्री के बाद की सेवा की बदौलत शांति गियर दुनिया भर में गियर उद्योग की एक विश्वसनीय कम्पनी बन गई। उनके नेतृत्व में, ग्राहकों की संख्या बढ़ी और उसमें एयरोस्पेस, स्टील, रक्षा, पवन चक्की, बिजली, रेलवे, सीमेंट, वस्त्र, शर्करा और ओईएम जैसे विभिन्न उद्योग शामिल हो गए। उनके निरंतर जुनून, कड़ी मेहनत और लगन से कम्पनी अपने बाजार की एक अग्रणी कम्पनी बन गई।

4. श्री सुब्रह्मण्यन् एक गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखते थे इसलिए हमेशा सामाजिक कार्यों में योगदान करने में विश्वास करते थे। 1980 की शुरुआत से ही उन्होंने सरकारी स्कूलों में गरीब बच्चों की शिक्षा में मदद की, कक्षाओं का निर्माण किया और छात्रवृत्ति प्रदान की। 1987 से, उन्होंने सड़कों को साफ करने और चौड़ा करने, नई सड़कें बिछाने, पुलों का निर्माण आदि करके ग्रामीण विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया, बाद में उन्होंने वर्ष 1996 में अपनी प्रिय पत्नी श्रीमती शांति की स्मृति में एक पंजीकृत सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट, शांति सोशल सर्विस की स्थापना की। यह जरूरतमंद गरीबों और पात्र लोगों को जाति, संप्रदाय, नस्ल या पंथ का कोई भेदभाव किए बिना शिक्षा, ग्रामीण विकास, चिकित्सा सुविधा, भोजन और सहायता प्रदान करना उनकी पत्नी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

5. 2012 में, जैसे ही वह 70 वर्ष के हुए, श्री सुब्रह्मण्यन् ने कॉर्पोरेट जगत से रिटायर होने का फैसला किया और ट्रस्ट के विकास की दिशा में अपना पूरा ध्यान लगाने लगे। शांति गियर्स लिमिटेड की बिक्री से प्राप्त अधिकांश आय को ट्रस्ट को हस्तांतरित किया जाने लगा ताकि विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में रियायती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान की जा सकें। लगभग 25,000 लोग, प्रतिदिन शिक्षा, चिकित्सा, फार्मसी, ऑप्टिकल, पेट्रोल बंक और कैंटीन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ट्रस्ट की सेवाओं का सीधा लाभ उठा रहे हैं।

6. श्री सुब्रह्मण्यन् का 11 दिसम्बर 2020 को देहावसान हो गया।